impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 25-Mar-2010 Edition : Delhi Page No.: 2 Page Name: Company News Size: 194.01 sq. cm

Sector: Automotive Circulation: 13534 AVE: INR 26579.32 Frequency: Daily

Publication: Business Standard (Hindi) Title: Mahindra FirstChoice may bring IPO

बिज़नेस स्टैंडर्ड

आईपीओ लाने की तैयारी में महिंद्रा फर्स्टच्वाइस

कंपनी की दीर्घावधि रणनीति

- कंपनी इस योजना पर 2013 में विचार करेगी
- इससे 2000 करोड़ रुपये की कमाई के आसार
- कंपनी को 2008 के मध्य में ही मिल गया था पीई फंड
- 2013 तक 2500 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

बीएस संवाददाता
चेन्नई, 24 मार्च

महिंद्रा फर्स्टच्वाइस व्हील्स लिमिटेड ने कहा है कि वह एक प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है। यह बहु-ब्रांड वाली पुरानी कार कंपनी महिंद्रा ऐंड महिंद्रा का हिस्सा है। कंपनी के मुताबिक वह इस योजना पर 2013 में विचार करेगी और कंपनी को 2,000 करोड़ रुपये की कमाई होने की उम्मीद है।

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के अध्यक्ष (मानव संसाधन) और समूह के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य राजीव दूबे ने कहा, 'हमारी योजना पांच साल में इस आईपीओ को लाने की है और यह वक्त हमारे निजी इक्विटी (पीई) निवेश हासिल करने के बाद से गिना जाएगा।' कंपनी को 2008 के मध्य में पीई फंड मिल गया था। उन्होंने ने कहा, 'हम 2013 से योजना बनाना शुरू करेंगे।' दुबे ने कहा कि कंपनी ने 2013 तक 2,500 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है। एक साल पहले जहां कंपनी ने 140 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं इस वित्त वर्ष में करीब 36 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ कंपनी को 400 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है।

महिंद्रा फर्स्ट च्वाइस डब्ल्यूएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस साहा ने कहा कि पिछले साल कंपनी ने 10,255 कारें बेची, जबकि इस साल यह संख्या 18,000 रहने का अनुमान है। कंपनी ने 2013 तक एक लाख कार बेचने का लक्ष्य भी तय किया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करने में सहारा देने के लिए कंपनी अपने आउटलेटों की संख्या मौजूदा 112 से बढ़ाकर 300 करने की योजना बना रही है। माईटीवीएस के साथ अपनी साझेदारी पर उन्होंने कहा कि इस रणनीतिक गठजोड़ से महिंद्रा फर्स्ट च्वाइस के ग्राहकों को देशभर में चौबीसों घंटे सड़क पर सहयोग मुहैया कराया जा सकेगा। साहा ने कहा कि यह सेवा कंपनी के वारंटी कार्यक्रम के तहत सिर्फ प्रमाणित कारों को एक साल की वारंटी अवधि या 15,000 किलोमीटर पर मुहैया कराई जाएगी। कंपनी से प्रमाणित पुरानी कार खरीदने पर ही कोई ग्राहक इस योजना के लिए योग्य बन पाएगा।

© Business Standard (Hindi) http://hindi.business-standard